International Journal of Advances in Engineering and Management (IJAEM)
Volume 2, Issue 6, pp: 17-22 www.ijaem.net ISSN: 2395-5252

The role of teacher in nation building with respect to National education Policy

Mrs Dilshad Merchant, Mr Prithwiraj Das
Assistant Professor (Hindi Department)
MBA, MA, MCom, Education Psychology (London) PhD Research Scholar
Corresponding author: Mrs Dilshad Merchant

Date of Submission: 30-08-2020 Date of Acceptance: 16-09-2020

ABSTRACT: A teacher plays a significant role and contributes towards the nation building. Since ancient times, a teacher is considered as a person of great importance and is greatly respected by all in the societybecause a teacher is a selfless guide and an advisor. After gaining knowledge from his teacher,a student's knowledge increases and makes him productive and creative which makes helps in the technological and economical development of the country. Many teachers like Dr.RadhaKrishan, APJ Abdulkalam have set such examples where their contributions have helped in nation building. They become the developers of a country's culture. The current education policy NEP 2020 contributes singnificantly towards the new role of a teacher. The change in the education system brings change of mindset & output of the students. National Education Policy is a comprehensive framework to guide the development of education in the country. NEP Policy has been recently announced in 2020 which will directly create an effect learners in it at all ages.Education is not restricted for any religion, caste or sex. By expressing such thoughts Mahatma Jyotiba Phule and his wife Savitribai Phule started a school for girls' education. As aresult today we have women who have achieved success and have played an important rolein the development of the country. Developing a country is a challenge accepted by the teachers because they know the importance of an educated youth in the progress of a country, hence theytrainthe youth and helpthem to become self disciplined and independent. The goal of every teacher is to develop thinking and questioning mind which proves to be a critical thinker of the nation working for its progress. We salute such teachers, who contribute by educating young citizens anddeveloping productive adults who become crucial for the development of a nation.

Keywords: National Education Policy2020, nation building, self discipline, critical thinker, teacher, student, productive citizen

सार

राष्ट्र के निर्माण में एक शिक्षक की भूमिका और योगदान बहुत ही बड़ा और प्रशंसनीय होता है। प्राचीनकाल से शिक्षक को समाज में सम्मानित व्यक्ति माना जाता है, क्यों कि वह एक स्वार्थ रहित मार्गदर्शक और सलाहकार है। अपने गुरु से ज्ञान प्राप्त कर एक विद्यार्थी उत्पादक और रचनात्मक और उद्यमी बनता है जो देश का तकनिकी व आर्थिक विकास का कारण बनताहैI डॉ. सर्व पल्ली राधाकृष्णन, डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम जैसे शिक्षक ऐसी मिसाल है जिसने देश के निर्माण में बड़ा योगदान दिया है। शिक्षक देश की संस्कृति का निर्माता है। वर्त्तमान की नई शिक्षानिति NEP 2020 से शिक्षक की नई भूमिका को प्रतिनिध्व करेंगी शिक्षकनिति के बदलाव से शिक्षक की मानसिकता और उत्पादन में बदलाव आता हैI यदि राष्ट्र की शिक्षानीति अच्छी है तो उस देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता इसीलिए शिक्षानीति में बदलाव ज़रूरीहैI भारत में दशकों के बाद नई शिक्षानीति लागु होती है इस बार ३४ वर्ष के बाद २९ जुलाई २०२०को नई शिक्षानीति २०२० (NEP 2020) को मंजूरी दे दी है। नई शिक्षानिति का लक्ष्य,शिक्षा के स्वरूप को बदलकर देश का विकास करना है। एनईपी २०२० में महान संस्था गत सुधार, अकादमिक सुधार और साथ ही कई व्यावसायिक शिक्षा सुधार शामिल होंगेI नई शिक्षा निति का लाभ सभी उम्र के शिक्षार्थियों को होगा शिक्षा किसी मज़हब, जाती या किसी लिंग के लिए सिमित नहीं। इस विचारो के साथ ज्योति राव और सावित्री बाई फूलेने कन्या शिक्षक पर जोर दिया और १जनुअरी १८४८ को कन्या शिक्षक के लिए पहला स्कूल खोला जिसके बाद लड़कियों को पढ़ाया जाता है और

International Journal of Advances in Engineering and Management (IJAEM)
Volume 2, Issue 6, pp: 17-22 www.ijaem.net ISSN: 2395-5252

महिला भी राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण कड़ी बनी है। राष्ट्र का निर्माण करना एक बड़ी चुनौती है जिसे एक शिक्षक ने ही युवा पीढ़ी को साथ लेकर इस चुनौती को स्वीकारा हैI राष्ट्र के विकास में एक युवा की भूमिका अहम होती है, इसीलिए शिक्षक उन्हें शिक्षा के माध्यम से आत्म अनुशासन के साथ-साथ स्वतंत्र विचारक बनाता हैं, जिसके कारण देश के युवक के विचार प्रक्रिया में सुधार आए और देश के लिए महत्वपूर्वक विचारक साबित हो जिससे देश की उन्नति हो शिक्षा के माध्यम से जो अपने छात्रों को उत्पादिक नागरिक बनाता है ऐसे शिक्षक को सम्मान करना हमारा कर्त्तव्य है

सूचकशब्द: नई शिक्षा नीति २०२०, राष्ट्र का निर्माण, चुनौती, निर्माण,प्रतिभा, आत्मा अनुशासन, महत्व पूर्वक विचारक, स्वतंत्र विचारक, उत्पादिक नागरिक

परिचय:

“शिक्षक राष्ट्र की संस्कृति के चतुर माली होते हैं। वे संस्कारों की जड़ों में खाद देते हैं और अपने श्रम से सींचकर उन्हें शक्ति में परिवर्तित करते हैं। राष्ट्र के वास्तविक निर्माता उस देश के शिक्षक होते हैं।”

–महर्षि अरविन्द [2]

हिन्दू धर्म में शिक्षक के लिए '**आचार्य देवो भव:**' कहा गया है,यानी शिक्षक याआचार्य, ईश्वर के समान होता है। यह दर्जा एक शिक्षक को उसके द्वारा समाज में दिए गएयोगदानों के स्वरूप दिया जाता है। भारत में शिक्षक के लिए गुरू शब्द का प्रयोग प्राचीनकाल से होता आया है, गुरू का शाब्दिक अर्थ होता है संपूर्ण यानि जो हमें जीवन की संपूर्णता को हासिल करने की दिशा में बढ़ने के लिए हमारा पथ आलोकित करता है।[1] इसके अलावा शिक्षक को'अध्यापक' या 'टीचर' भी कहा जाता हैI एक शिक्षक को किसी भी नाम से पुकारा जाए उस का उद्देश्य अपने विद्यार्थी को अपने विषय के साथ अन्य विषयों का ज्ञान देना है जिससे वह राष्ट्र के निर्माण का कारण बन सकेI इसके लिए एक शिक्षक अपने ज्ञान के साथ साथ शिक्षानिति पर निर्भर करता है, इसी को ध्यान में रखते हुए भारतीय संविधान के चौथे भाग में उल्लिखित नीति निदेशक तत्वों में कहा गया है कि प्राथमिक स्तर तक के सभी बच्चों को अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की जाय।१९४८ में डॉ॰ राधाकृष्णन की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग के गठन के साथ ही भारत में शिक्षा-प्रणाली को व्यवस्थित करने का काम शुरू हो गया थाI मई१९८६में नई राष्ट्रीय शिक्षानीति लागू की गई, जो अब तक चल रही है।३४ साल बाद २९ जुलाई २०२०को नई शिक्षानीति २०२० (NEP 2020) को मंजूरी मिली है।इस निति का लक्ष्य शिक्षा के स्वरूप को बदल करदेश के विकास के लिए अनिवार्य आवश्यकता को पूरा करना है।इस निति के लागु होने बाद शिक्षक अपने शिष्य को अपना विषय पढ़ाने के साथ उसे भाषा, कला और संस्कृति की शिक्षा भी देगा और अच्छा नागरिक बनने में सहाय्यक बनेगाI ऐसे शिक्षक के साथ मिलकर एक आम नागरिक अपने राष्ट्र की उन्नति औरनिर्माण का सपनादेखता है,जिससेदेशकी उन्नति और विकास होता है ।राष्ट्र का निर्माण करना एक बड़ी चुनौती है जिसे एक शिक्षक ने ही युवा पीढ़ी को साथ लेकर स्वीकारा है।

साहित्य समीक्षा-

"भारत का प्रत्येक नागरिक एक राष्ट्र निर्माता है।"

- राम नाथ कोविन्द [2]

इन शब्दों द्वारा राम नाथ कोविन्दजी यह समझाना चाहते है कि राष्ट्रीय का निर्माण करना इतना सरल नहीं है। प्रत्येक नागरिक के योगदान से ही राष्ट्रीय का निर्माण संभव है। प्रत्येक नागरिक यदि अपने को निर्मित करता है तभी हमारे राष्ट्रीय का निर्माण निश्चित है, क्योंकि भारत का प्रत्येक नागरिक एक राष्ट्र निर्माता है।

“शिक्षक का काम सिर्फ़ किताबी ज्ञान देना ही नहीं बल्कि सामाजिक परिस्थितियों से छात्रों को परिचित कराना भी होता है”

-सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन

शिक्षाविद, लेखक और राष्ट्र प्रेमी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जिनके जन्मदिन (5 सितम्बर) को भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है, अपने विचार व्यक्त करते है कि छात्रों को केवल किताबी ज्ञान देना काफी नहीं है परन्तु उन्हें हर सामाजिक परिस्थिति से परिचित करना

International Journal of Advances in Engineering and Management (IJAEM)
Volume 2, Issue 6, pp: 17-22 www.ijaem.net ISSN: 2395-5252

अवश्य है जिनसे वह समाज और देश का निर्माण कर सके।ऐसेविचारोसेहीराष्ट्रकेअच्छे भविष्य की कल्पना की जा सकती हैI शिक्षक अपने शिक्षण कौशल से युवा विद्यार्थी को एक सफल नागरिक बनाकर इस लक्ष्य को पूरा करता हैI यदि आज युवा के मन में देश प्रेम और उसकी प्रगति की भावना जागृत हो जाए तब देश का निर्माण अवश्य होगाI [4] प्राचीनकाल से देश के युवा विद्यार्थी के अंदर छिपे इस भावना के अतिरिक्त संचार, दया, प्रस्तुतीकरण जैसी कला को उजागर करने का शिक्षक का जो लक्ष्य है वह इस निति से सरल हो सकता हैI इस कार्य में शिक्षा को अच्छी शिक्षा निति किआवश्यकता होती हैI भारतीय संविधान में उल्लेखित किया गया है कि प्राथमिक स्तर तक के सभी बच्चों को अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की जाए। भारत में शिक्षा-प्रणाली को व्यवस्थित करने का काम शुरू हो गया थाI मई१९८६ में नई राष्ट्रीय शिक्षानीति लागू की गई, जो अब तक चल रही है।३४ साल बाद २९जुलाई २०२०को नई शिक्षानीति २०२०(NEP 2020) को मंजूरी मिली है। इस निति में शिक्षा प्रणाली को भारतीय केंद्रित करना मुख्य विशेषता है जिससे सभी वर्ग के विद्यार्थी को उच्च गुण वत्ता की शिक्षा प्राप्त हो जो राष्ट्र निर्माण के लिए बड़ा योगदान होगाI

नई शिक्षा नीति २०२०पर एक नज़र डालते है

- १२ साल की स्कूली शिक्षा और३ साल की आंगनवादी कोनए ५+ ३ + ३+४ स्कूली पाठ्यक्रमपर आधारित की गईहैIइसका मतलब है कि इसमें प्राइमरी से दूसरी कक्षा तक एक हिस्सा, फिर तीसरी से पांचवीं तक दूसरा हिस्सा जहा उन्हें उनकी गृह भाषा, मातृभाषा और क्षेत्रीयभाषा में निर्देश दिए जाएं। छठी से आठवीं तक तीसरा हिस्सा और नौंवी से बारवीं तक आखिरी हिस्सा होगाI विदेशीभाषाओंकीपढ़ाईसेकेंडरीलेवलसेहोगीI ऐसा करने से मातृभाषा को महत्वता मिलेंगी और बच्चो को किसी भी विषय को अपनी मातृभाषा में समझने में आसानी होगीI
- स्कूल स्टूडेंट्स के लिए साल में 10 दिन बैगलेस (bag less days) होंगे। इस दौरान उन्हें इनफॉर्मल इंटर्नशिप कराई जाएगी।
- १२वीं के बाद कॉलेज स्तर पर चार विकल्प होंगे। चार साल के बैचलर कोर्स में पहला साल पूरा करने पर सर्टिफिकेट, दो साल पर एडवांस डिप्लोमा, तीन साल पर बैचलर डिग्री और चार साल पर रिसर्च के साथ बैचलर डिग्री कोर्स पूरा कर सकते हैं। यानी मल्टीपल एंट्री और एग्जिट का विकल्प मिलेगा।
- देश के विभिन्न कॉलेजों में एडमिशन के लिए एनटीए द्वारा एक कॉमन कॉलेज एंट्रेंस एग्जाम साल में दो बार लिए जाएंगे।
- सभी सामान्य शिक्षा पाठ्य क्रमों में इंटर्नशिप के संदर्भ में व्यावसायिक प्रशिक्षण को स्नातक स्तर पर एकीकृत किया जाएगा। पहले साल से स्नातक स्तर के एकीकरण, डिग्रीपाठ्य क्रमों के साथ द्वितीय वर्ष के व्यावसायिक पाठ्य क्रमों में किसी भी स्नातक छात्र के रोजगार मेंवृद्धि हो सकती है।
- एन.ई.पी.२०२० अनुसंधान पर भी ध्यान केंद्रित करता है जो शिक्षाविदों, छात्र जीवन, संकायऔरसंस्थान का हिस्सा है।
- एन.ई.पी.२०२०के अनुसार महान संस्थागत सुधार, अकादमिक सुधार और साथ ही कई व्यावसायिक शिक्षा सुधार के साथ शिक्षा प्रणाली से भारतीय ज्ञान प्रणाली, भाषा, कला और संस्कृति का एकीकरण एक स्कूली पाठ्य क्रम में शामिल होंगे।
- नई शिक्षा नीति २०२०के लागु होने के बाद रोजगार में वृद्धि होगी।

इस निति का लक्ष्य शिक्षा युवाओं को संचार, रचनात्मकता, समस्या को सुलझाने में सहायक बनना है क्यों कि राष्ट्र के निर्माण का मूल आधार उस देश का युवा नागरिक हैI

शिक्षक एक स्वार्थ रहित, मार्ग दर्शक और सलाहकार है जो अपने विद्यार्थी को सही मार्ग दिखाकर एक आदर्श नागरिक बनाता है। विद्यार्थी की ऊँची सोच और सहन शीलता को जागृत रखकर उन मे ज्ञान की ज्योत जलाए रखना यही एक शिक्षक की भूमिका हैI यह भूमिका निभाकर शिक्षक अपने देश को ऐसा नेता देता है जिससे देश

International Journal of Advances in Engineering and Management (IJAEM)
Volume 2, Issue 6, pp: 17-22 www.ijaem.net ISSN: 2395-5252

का आर्थिक और समाजिक विकास होI [5] सदियों से हमारे देश में ऐसे शिक्षकों ने जन्म लिया है जिन्होने अपने कार्य से शिक्षक और शिक्षा दोनों का महत्व समझाया हैI उन का उदहारण देते हुए डॉ. राजेंद्र प्रसाद,डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम जैसे शिक्षाविद और भारत के पूर्व राष्ट्रपति का देश के निर्माण में बड़ा योगदान रहा हैIभारत के 'मिसाइल मैन' कहे जाने वाले पूर्वराष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम ने हमेशा चाहा कि उनको एक अच्छे शिक्षक के तौर पर याद किया जाएIउनमे पढ़ाने का जूनून था और उनका निधन भी आई.आई.एम शिलॉन्ग में पढ़ाते समय हुआ थाI आज जब भी उन्हें याद किया जाता है तो उनके एक अच्छे शिक्षक का रूप नज़र आता हैI रविंद्रनाथ टैगोर जी ने अपने पिता महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर के सपने को नया रूप देते हुए शांति निकेतन जैसी शिक्षा केंद्र की स्थापना करके एक मिसाल कायम की हैI आज के दौर कायह विश्वविद्यालय है जिसमे मानवीय सहायता, सामाजिक विज्ञान, कला, संगीत, कला प्रदर्शन, शिक्षा कृषि कला और ग्रामीण पुनर्निर्माण जैसे विषयो की शिक्षा दी जाती हैI ऐसी कई मिसाल है, जिनमे ज्योति राव और सावित्री बाई फूले जिन्होने लोगो को कन्या शिक्षक से जागृत किया और कन्या विद्यालय खोला। उनके इस महान कार्य के बाद लड़कियों को पढ़ाया जाता है और जिनके कारण आनंदी बाई गोपाल रावजोशी, कल्पना चावला, इंदिरागाँधी, किरण बेदी जैसी महिला राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण कड़ी है।

नई शिक्षानीति २०२०

इस नई निति से जहाँ छात्रों की सुविधा का ख्याल रखा गया है वही टीचर्स की चुनौतियाँ बढ़ जाएगीI स्टूडेंट्स के लिए शिक्षा नीति में कई बदलाव किए जा रहे हैंI ३-६साल के बच्चों के लिएनया पाठयक्रम संरचना लागू किया जाएगाI पांचवीं तक छात्रों को उनकी गृहभाषा, मातृभाषा और क्षेत्रीयभाषा में निर्देश दिए जाएं। इसमें प्राइमरी के टीचर्स के लिए कई चुनौती होगीI उन्हें क्षेत्रीय भाषा में धारा प्रवाह होना होगाI स्कूल में पढ़ने और पढ़ाने के सिस्टम में बदलाव होंगेI छात्रों की पाठ्य-पुस्तकों में भी कई बदलाव देखने को मिल सकते हैंI नई शिक्षानिति के आने से जहां एक ओर छात्रों को नए सिलेबस के तहत सीखने के ज्यादा मौके मिलेंगे, वहीं शिक्षक को अपनी पढ़ाने की शैली में काफी बदलाव लाने होंगेI टीचरों को भी पढ़ाई के नए तौर-तरीके अपनाने होंगेI बच्चों के समग्र विकास करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, एक नया राष्ट्रीय आकलन केंद्र 'परख' (समग्र विकास के लिए कार्य – प्रदर्शन आकलन, समीक्षा और ज्ञान का विश्लेषण) एकमानक-निर्धारक निकाय के रूप में स्थापित किया जाएगाI इस निति के बाद शिष्य को भाषा, कला और संस्कृति का एकीकरण एक स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल होने से शिक्षक को शिष्य में छिपी कला और संस्कृति को निखारकर उनका राष्ट्र के निर्माण में किस तर हसदुपयोग करे यह कार्य प्राथमिक शिक्षक की ज़िम्मेदारी हो जाएगी जिसे शिक्षा के आखरी पड़ाव तक ले जाने का कार्य अध्यापकों का होगाI बेहतर एजुकेशन के लिए टीचर्स को भी ट्रेनिंग और पढ़ाने के नए ऑप्शन को अपना ना होगाI एन ई पी २०२० के अनुसार महान संस्थागत सुधार, अकादमिक सुधार और साथ ही कई व्यावसायिक शिक्षा सुधार शामिल होंगे। इस प्रकार की शिक्षा प्रणाली से भारतीय ज्ञान प्रणाली, भाषा, कला और संस्कृति का एकीकरण एक स्कूली पाठ्यक्रम में होगाI नई शिक्षानीति २०२० और शिक्षक की अटूट मेहनत से रोजगार में वृद्धि होगी। शिक्षा युवाओं को संचार,रचनात्मकता, समस्या को सुलझाने में सहायक बनाता हैI निति के इस लक्ष्य को पूरा करने में शिक्षक का महत्वपूर्ण योगदान रहेगाI क्यों कि राष्ट्र के निर्माण का मूल आधार उस देश का युवा नागरिक है इस निति के बाद शिष्य में छिपी खूबियों को निखारने में शिक्षक को कई सहायता मिलेंगी इस के माध्यम से वह अपने शिष्य को आत्मा अनुशासन के साथ-साथस्वतंत्र विचारक बनाएगे और अपने कर्त्तव्य का पालन करके की प्रेरणा देंगे, जिसके कारण देश के युवक के विचार प्रक्रिया में सुधार आए और देश के लिए वे महत्वपूर्वक विचारक साबित हो जिससे देश की उन्नति हो।

शोध विधि-

इस शोध आलेख का उद्देश्य राष्ट्र के निर्माण में एक महान शिक्षक के योगदान को उजागर करना है ।नई शिक्षा निति क्या है,उससे छात्रोऔर युवाको किस तरह केलाभ होंगे,नई शिक्षा निति के लागु होने से शिक्षक को किन चुनौतियों का

International Journal of Advances in Engineering and Management (IJAEM)
Volume 2, Issue 6, pp: 17-22 www.ijaem.net ISSN: 2395-5252

सामना करनापड़ेगा,उन्हें अपनीभूमिकामें कितने बदलावलाने होंगे इस पर सोचना ही इस शोध आलेख का मकसद हैI इस शोध आलेख को लिखते समय कई वेबसाइटों पर महान विद्वानों के लेख पढ़े,कई शोध आलेख पढ़ेIइस शोध आलेख लिखते समयकईमहापुरुषो, विद्वानों की जानकारी हासिल हुई और शिक्षकों के इतिहास के उदहारण मिले। उनके इतिहास और योगदान का अध्ययन कर विश्लेषण किया गयाIकई समाचार पत्रों से नई शिक्षानिति की जानकारी हासिल हुई जिससे इस निति से शिष्य और युवा के लाभ के साथ शिक्षक के सामने आनेवालीचुनौतियों और उनकी भूमिका में बदलाव को भी देखा गयाIउसका यह निष्कर्ष निकला कि शिक्षा का राष्ट्र निर्माण से सीधा सम्बन्ध है और नई शिक्षा निति के लागु होने से भी यह सिद्ध होता है कि राष्ट्री निर्माण में शिक्षक की भूमिका अहम् है ।

परिणाम और चर्चा

इस शोध आलोक से ज्ञात होता है किशिक्षक अपनी विद्या को यु ही नहीं पढ़ाता है, वह उस विद्याकोविभिन्न विद्यार्थी में अलग अलग ढंग से पढ़ाता हैI वह पहले अपने विद्यार्थी की रूचि,उसकी समज और ज्ञान हासिल करने की क्षमता कोसमझने की कोशिश करता हैI फिर उसके आधार पर विद्यार्थी को सरलता से विद्या प्रदान करता हैI नई शिक्षानिति के आने से शिक्षक की भूमिका की महत्वता बढ़ जाएगी साथ मेंउन्हें अपनी पढ़ाने की शैली में काफी बदलाव लाने होंगेI नई निति को साथ लेते हुए शिक्षकों को अपने ज्ञान से राष्ट्र विकास का मूल आधार बनाना होगाI एक शिष्य को जब प्रेरणा और प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है, तब वे निश्चित रुप से अपने अध्यापकों से प्राप्त करते हैं। वे उन्हेंजीवन में किसी भी बुरी स्थिति से ज्ञान और धैर्य केमाध्यम से बाहरनिकालना सीखाते हैंI शिक्षक अपने विद्यार्थी को अपने स्वंय के बच्चों से कम नहीं समझते और उन्हें पूरी मेहनत से पढ़ाते हैं। सही मायनो में एक अच्छा शिक्षक वह होता है जो निस्वार्थ अपने शिष्यों को पुस्तकी ज्ञान के अलावा अपने तजुर्बे से उसे एक अच्छा व्यक्ति और अच्छा नागरिक बनाता है ।ऐसे शिक्षक को सम्मान करना हमारा कर्त्तव्य है जो शिक्षा के माध्यम से अपने छात्रों को आत्मा अनुशासन के साथ-साथ स्वतंत्र विचारक बनाता हैं, जिसके कारण देश के युवक के विचार प्रक्रिया में सुधार आए और देश के लिए महत्वपूर्वक विचारक साबित हो जिससे देश की उन्नति हो।

निष्कर्ष:

शिक्षक के विचार, आचरण और व्यवहार ज्ञात एवं अज्ञात रूप से समाज को प्रभावित करते हैं।शिक्षक का चरित्र विद्यार्थी तथा समाज के लिए आचरण एक अलग उदाहरण होता है।अध्यापन से कहीं अधिक प्रभाव उनके निजी स्वभाव से विद्यार्थी के जीवन पर पड़ता है। इसलिए कक्षा में पाठ्यपुस्तक पढ़ाने के साथ-साथ अध्यापक अपने आचरण एवं व्यवहार के प्रति सदैव सतर्क रहते है । यदि अध्यापक के हृदय में समाज के निर्माण की आकांक्षा है, तो निश्चय ही वह अपना चरित्र उन आदर्शों में व्यवस्थित करने के लिए प्रयत्नशील होगा जिनसे वह समाज को परिवर्तित करता है।विद्यार्थी के माध्यम से वह समाज की पुन: रचना कर सकता है।शिक्षक देश की संस्कृति का निर्माता है। एक शिक्षक ही भावी नागरिकों को हमारे देश की संस्कृत्ति का परिचय देता हैऔरदेश के सांस्कृतिक गौरव को अमर बनाए रखने में उनका महत्वपूर्ण हाथ होता है।

किसी भी राष्ट्र का आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक विकास उस देश की शिक्षा पर निर्भर करता है। अगर राष्ट्र की शिक्षा नीति अच्छी है तो उस देश को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।अगर राष्ट्र की शिक्षा नीति अच्छी नहीं होगी तो वहां की प्रतिभा दबकर रह जाए। ज्ञान जो विकास का मूल आधार है उसकी कड़ी सदियों पुराने शिक्षक या आचार्य से जुडी है जिसकी शिक्षक को उनके अध्ययन से या उनके शिष्य ने आगे बढ़ाया है उनकी परिश्रम से उन्होंने देश को ऐसे युवा दिए है जिन्हों ने कई क्षेत्रों में अपना मुकाम हासिल किया है और अपने शिक्षक का नाम रोशन किया है।

संदर्भ सूची:

[1]. "https://educationmirror.org/2017/01/04/meaning-of-a-teacher/"
[2]. "https://www.livemint.com/Opinion/AvCgUft7YuWVxAEmGULLXM/Nations-are-built-by-their-citizens.html"YuWVxAEmGULLXM/Nations-are-built-by-their-citizens.html

[3]. https://esrc.ukri.org/news-events-and-publications/evidence-briefings/the-wellbeing-effect-of-education/
[4]. https://www.uopeople.edu/blog/the-importance-of-teachers/
[5]. https://www.quora.com/What-is-the-role-of-a-teacher-in-nation-building
[6]. https://www.jagran.com/uttar-pradesh/ballia-examples-of-behavior-in-society-are-teachers-character-18466948.html
[7]. https://hi.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%AE%E0%A5%80_%E0%A4%B5%E0%A4%BF%E0%A4%B5%E0%A5%87%E0%A4%95%E0%A4%BE%E0%A4%A8%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A6#:~:text=%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%B5%E0%A4%BE%E0%A4%AE%E0%A5%80%20%E0%A4%B5%E0%A4%BF%E0%A4%B5%E0%A5%87%E0%A4%95%E0%A4%BE%E0%A4%A8%E0%A4%A8%E0%A5%8D%E0%A4%A6%20(%20%E0%A4%AC%E0%A4%BE%E0%A4%82%E0%A4%97%E0%A5%8D%E0%A4%B2%E0%A4%BE%3A%20%E0%A6%B8%E0%A7%8D%E0%A6%AC%E0%A6%BE%E0%A6%AE%E0%A7%80%20%E0%A6%AC%E0%A6%BF%E0%A6%AC%E0%A7%87%E0%A6%95%E0%A6%BE%E0%A6%A8%E0%A6%A8%E0%A7%8D%E0%A6%A6,%E0%A4%A7%E0%A4%B0%E0%A5%8D%E0%A4%AE%20%E0%A4%95%E0%A4%BE%20%E0%A4%AA%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%A4%E0%A4%BF%E0%A4%A8%E0%A4%BF%E0%A4%A7%E0%A4%BF%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%B5%20%E0%A4%95%E0%A4%BF%E0%A4%AF%E0%A4%BE%20%E0%A4%A5%E0%A4%BE%E0%A5%A4
[8]. https://www.eklavya.in/magazine-activity/sandarbh-magazines/530-sandarbh-from-issue-21-to-30/sandarbh-issue-22-23/2373-aaryabhat-mahan-ganitgya
[9]. https://www.amarujala.com/education/new-education-policy-2020-all-you-need-to-know-about-nep-in-details
[10]. https://hindi.careerindia.com/news/new-education-policy-2020-key-points-higher-education-employment-nep-2020-pdf-002199.html
[11]. https://www.google.com/search?q=mahatma+phule+started+first+girls+school&oq=mahatma+phule+started+first+girls+school+&aqs=chrome..69i57.22023j1j1
[12]. https://hi.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%B7%E0%A5%8D%E0%A4%9F%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A5%80%E0%A4%AF_%E0%A4%B6%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%B7%E0%A4%BE_%E0%A4%A8%E0%A5%80%E0%A4%A4%E0%A4%BF